


व्यक्ति

कावली पेग हुये वकील वाही अनुपस्थित
 वकील वाही को खबर कर आवान
 लगाते गयी। थाने गयी की प्रकृत
 तलबी हेतु विचारधीन हो प्रतीत होता है
 कि वाही की प्रकृत चलाने से काली वही की
 आत। वास-पत्र वाही वकील वाही एवं
 वाही की आतम दली-आतम फेरी में
 शामिल किया जाता है परन्तु काली
 में शुभ्र होकर हाथिल दफ्तरी


 खण्ड अधिकारी
 रायसिंहनगर